हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार 19 जनवरी 2026

तापमान

अधिकतम 21.5 डिग्री
न्यूनतम 7.0 डिग्री

11 गलियों में बह रहा सीवर का पानी, पेयजल में मिक्स...

12 श्मशान घाट की चारदीवारी, बस क्यू शेल्टर का निर्माण...

खबर संक्षेप

उद्घोषित आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लिया

हांसी। शहर थाना पुलिस ने उद्घोषित आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लिया गया है। प्रोडक्शन वारंट पर लिए गए आरोपी की पहचान मोची मोहल्ला निवासी अंकित के रूप में हुई है। जांच अधिकारी एसआई जोगिंद्र सिंह ने बताया कि प्रोडक्शन वारंट पर लिए गए आरोपी के खिलाफ 2025 में ढाणी पुरिया क्षेत्र में घर पर फायरिंग करने के आरोपी को अवैध पिस्तौल सप्लाई करने का केस शहर थाना हांसी में आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत दर्ज किया गया था, लेकिन पेशी पर लगातार गैर हाजिर रहने के चलते आरोपी को अदालत द्वारा उद्घोषित अपराधी करार दिया हुआ था।

भविप शाखा आदमपुर में रक्तदान शिविर 23 को

आदमपुर। भारत विकास परिषद, शाखा आदमपुर की ओर से स्थापना दिवस के अवसर पर 23 जनवरी सामान्य अस्पताल, मंडी आदमपुर में विशाल रक्तदान शिविर लगेगा। शाखा अध्यक्ष एडवोकेट अनिल गोयल ने बताया कि इस अवसर पर शाखा गतिविधि संयोजक (सेवा) एवं पूर्व अध्यक्ष मुकेश भुटानी, प्रकल्प प्रमुख एवं पूर्व अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा, वरिष्ठ सदस्य राजीव शंकर शर्मा, अखिल जैन, महेश विनोचा, मनोज बंसल, सचिव एडवोकेट दीपक गोयल, कोषाध्यक्ष राकेश मक्कड़ आदि थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

हांसी। हांसी-महम मार्ग पर ढाणा कलां के पास घनी धुंध के चलते रविवार की सुबह हादसा हो गया। हादसे में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। घायलों में गांव रामपुरा गांव निवासी आत्माराम और ढाणा निवासी मिथुन शामिल है, जिन्हें हांसी के नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। रामपुरा निवासी घायल आत्माराम ने बताया कि वह सुबह बाइक से सैनीपुरा जा रहा था। तब गहरी धुंध छाई हुई थी। ढाणा कलां में बाइक रोककर एक युवक मिथुन को बिठाने लगा तो पीछे से अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे वे बाइक समेत गिरकर घायल हो गए।

सहकार भारती के स्थापना दिवस पर गोष्ठी आयोजित

आदमपुर। अनाज मंडी में सहकार भारती के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक सहकार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में सहकार भारती के जिलाध्यक्ष पवन कुमार ने अध्यक्षता की। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए पैक्स प्रकोष्ठ के प्रांत प्रमुख हनुमान गोदारा ने कहा कि सहकार से समृद्धि के आंदोलन को सफल बनाने के लिए केंद्र सरकार ने अलग से सहकारिता मंत्रालय का गठन करके पूरे देश की प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के कंप्यूटीकरण का निर्णय लिया है और पैक्सों को बहुउद्देशीय गतिविधि संचालित करने के लिए कार्य के अवसर प्रदान किए हैं तथा नई सहकार नीति 2025 जारी की है।

शिविर में 143 लोगों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

बरवाला। बरवाला जनसेवार्थ ट्रस्ट द्वारा सरदार गुरबक्श वाली गली में स्थित भारत धर्मशाला के प्रांगण में रविवार को 13वां स्वास्थ्य जागरूकता एवं जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जनरल फिजिशियन डॉ संदीप वर्मा और महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एकता तथा फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. मनदीप सिंह की उपस्थिति में नागरिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस शिविर के दौरान कोलेस्ट्रॉल, ब्लड शुगर, क्रिएटिनिन, पी.टी. तथा थायराइड सहित पांच आवश्यक रक्त जांच की गई। शिविर में कुल 143 लोगों ने स्वास्थ्य जांच एवं रक्त परीक्षण की सुविधाओं का लाभ उठाया।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष के तहत प्रमुख नागरिक गोष्ठी में राष्ट्र निर्माण पर विचार विमर्श

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में शहर के पंजाबी भवन में प्रमुख नागरिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें कर्नल देवेंद्र गुहानी मुख्य अतिथि व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह सरकार्यवाह अरुण कुमार मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गायन से हुआ, जिसने पूरे सभागार को राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत कर दिया। संघ शताब्दी वर्ष के तहत आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कर्नल देवेंद्र गुहानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना आज पहले से कहीं अधिक सशक्त और निर्णायक हुई है। उन्होंने कहा कि पहले हम देश के लिए मरते थे, आज हम देश के शत्रुओं को मारते हैं। कर्नल गुहानी ने अपने सैन्य जीवन के अनुभव साझा करते हुए बताया कि सेना में रहते हुए उन्होंने कई भटके हुए उग्रवादियों को सही मार्ग दिखाया। सेवानिवृत्ति के पश्चात वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से राष्ट्रसेवा में निरंतर सक्रिय हैं।

पंच परिवर्तन लाएंगे सामाजिक बदलाव, पूरे समाज को एक सूत्र में बांधने पर केंद्रित रहेगा संघ का शताब्दी वर्षः सह सरकार्यवाह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना आज पहले से कहीं अधिक सशक्त और निर्णायक हुई : कर्नल गुहानी

संघ की राह कभी आसान नहीं रही

मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष केवल उत्सव का नहीं, बल्कि आत्मावलोकन का काल है। इस वर्ष का लक्ष्य उन वर्गों तक पहुंचना है, जहां अभी तक पहुंचा नहीं गया। इस तरह के कार्यक्रम से समूचे समाज को एक सूत्र में बांधने का लक्ष्य रहेगा। उन्होंने कहा कि संघ की राह कभी आसान नहीं रही। संघर्ष, उपहास और विरोध के बीच तपकर संघ निखरा है। संघ किसी को विरोधी नहीं मानता, इसलिए आज उसके विरोधी भी उसके साथ खड़े हैं। उन्होंने जयप्रकाश नारायण का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि कोई संगठन मेरे संकल्प को पूरा कर सकता है तो वह केवल संघ है। उन्होंने कश्मीर में एक देश, एक संविधान, एक प्रधान की मांग को लेकर संघ के सत्याग्रह, तथा हर आपदा और आवश्यकता के समय स्वयंसेवकों की सेवा-भावना का भी उल्लेख किया। संघ ने कभी अपने कार्यों का श्रेय नहीं लिया, यही उसकी विशेषता है। संघ का मानना है कि हर नागरिक को रोटी, कपड़ा, मकान, रोजगार, स्वास्थ्य और संस्कार मिलना चाहिए। जहां-जहां समाज में कमी है, वहां संघ राष्ट्र सेवा भाव से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का दर्द मेरा दर्द है, यही भारत की आत्मा रही है, और इसीलिए भारत विश्व में श्रेष्ठ था, संपन्न था।

हिसार। प्रमुख नागरिक गोष्ठी को संबोधित करते मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह सरकार्यवाह अरुण कुमार व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में पंजाबी भवन आयोजित प्रमुख नागरिक गोष्ठी में उपस्थित शहर के गणमान्य व्यक्ति। *फोटो: हरिभूमि*

जीवनशैली में छोटे-छोटे व्यावहारिक परिवर्तन जरूरी

मुख्य वक्ता ने पंच परिवर्तन पर बोलते हुए कहा कि केवल चर्चा से नहीं, बल्कि जीवनशैली में छोटे-छोटे व्यवहारिक परिवर्तनों से ही वास्तविक परिवर्तन संभव है। राष्ट्र के नियमों और कानूनों का पालन, 'स्व' का बोध और अपनी जड़ों को गौरव के साथ अपनाना ही गौरवमयी जीवन का मार्ग है। गोष्ठी के समापन पर जिला सह संघ चालक मोहित बंसल ने आए हुए अतिथियों, आयोजकों व सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रताप मलिक, डॉ. प्रीतम सिंह, पवन कौशिक, पुनीत, पवन जिंदल, कृष्ण कुमार, कमल सर्राफ, भूपेन्द्र, सतीश कुमार सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक, व्यवसायी, व्याख्याता व स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

जिज्ञासा समाधान सत्र में अरुण कुमार ने दिए सवालों के जवाब

जिज्ञासा समाधान सत्र में प्रश्नों के उत्तर देते हुए अरुण कुमार ने कहा कि जाति शब्द मूलतः राष्ट्रबोध से जुड़ा था, भेदभाव की विकृति विदेशी प्रभावों से आई। कई सामाजिक समस्याएं हमारे महापुरुषों ने समाप्त कीं, शेष को समाज के सहयोग से समाप्त करना होगा। उन्होंने इंदौर के स्वच्छता मॉडल, जनसंख्या को राष्ट्र की शक्ति, मातृभाषा में शिक्षा के महत्व तथा भारतीय संस्कृति की निरंतरता पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में यह संदेश स्पष्ट रूप से उभरा कि समाज का चरित्र बदलेगा तभी राष्ट्र का भविष्य बदलेगा, और समाज को गढ़ने का दायित्व हम सभी का है। यही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मूल कार्य है।

अधिकतम तापमान में हुई मामूली बढ़ोतरी ने ठंड से दिलाई राहत

कमजोर पश्चिमी विक्षोभ से ठंड के तेवर ढीले, बूंदाबांदी के आसार

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हिसार व आसपास के क्षेत्रों में ठंड के तेवर कुछ ढीले पड़े हैं। दिन के समय अच्छी धूप खिलने से लोगों को ठंड से कुछ राहत महसूस हो रही है। इसके साथ ही रात्रि पारे में भी पिछले दो-तीन दिनों से वृद्धि का दौर जारी है। रविवार को हिसार का न्यूनतम पारा 7 तथा अधिकतम पारा 21.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि सुबह के समय घना कोहरा अभी भी लोगों के लिए परेशानी बना हुआ है। उधर मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। जानकारी के अनुसार तीन चार दिन पहले तक जिले में कड़ाके की ठंड देखने को मिला। रात्रि का पार जमाव बिंदु के पास पहुंच गया था। खेतों में पाला जमने लगा था। वर्तमान सीजन में 15 जनवरी को हिसार का रात्रि पारा 0.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। यह प्रदेश में भी सबसे कम रहा था। दिन का पारा 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास चल रहा था। इसके अलावा दिनभर चलने वाले शीतलहर से भी जनजीवन पर व्यापक असर देखने को मिला। घने कोहरे के चलते रफ्तार पर ब्रेक लग गया था। शुक्रवार से मौसम में बदलाव शुरू हुआ और रात्रि व दिन का पारा चढ़ने लगा। जैसे-जैसे कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ ठंड के तेवर भी कुछ कमजोर हुए। वर्तमान में दिन व रात्रि पारे में लगातार वृद्धि होने से लोगों को ठंड से कुछ राहत मिली है।

सुबह के समय घना कोहरा अभी भी लोगों के लिए बना है परेशानी

हिसार। सुबह के समय धुंध के बीच से निकलते वाहन। *फोटो: हरिभूमि*

एक नया कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार वर्तमान समय में अफगानिस्तान और उससे सटे पाकिस्तान के ऊपर एक नया कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है, जो चक्रवातीय परिसंचरण के रूप में मौजूद है। सोमवार को यह पश्चिमी मौसम प्रणाली भारत के उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर पहुंच जाएंगी। इसके साथ ही उष्ण कटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम उत्तर-पूर्व भारत के ऊपर 140 - 150 नॉट की रफ्तार से बह रही है, जिसके कारण तापमान और ठंड की स्थिति में बदलाव देखने को मिल रहा है। रविवार को हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी हुई है और दिन व रात के तापमान सामान्य और सामान्य से अधिक बने हुए हैं।

मौसम विशेषज्ञ बोले

4 पश्चिमी विक्षोभ की शृंखला होगी सक्रिय

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन के अनुसार हरियाणा एनसीआर दिल्ली में जनवरी महीने के अंत तक मौसम में आमतौर पर बदलाव देखने को मिलेंगे। क्योंकि बैक टू बैक (चार) पश्चिमी विक्षोभ की शृंखला उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होंगी। इसकी वजह से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में आने वाले दिनों में विशेषकर 22 जनवरी के बाद लगातार जनवरी के अंत और फरवरी महीने की शुरुआत तक बीच-बीच में बादलों की आवाजाही देखने को मिलेगी। साथ ही बीच बीच में हल्की से मध्यम बारिश, कहीं बूंदाबांदी की गतिविधियां और तेज गति की हवाओं के साथ गरज चमक के साथ एक दो स्थानों पर छिट-पुट ओलावृष्टि की गतिविधियों को नकारा नहीं जा सकता। ठंड एक बार फिर से तेवरों को दिखाएगी। इसके अलावा अगले 24 घंटे में कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से एनसीआर दिल्ली में बादलों की आवाजाही और केवल एक दो स्थानों पर छिट-पुट बूंदाबांदी की गतिविधियों की संभावना बन रही है।

हिसार। लोहा व्यापार मंडल के अध्यक्ष रमेश कुमार लोहिया व कार्यकारिणी का स्वागत करते मण्डल के सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

रमेश लोहिया 14वीं बार लोहा व्यापार मंडल के प्रधान बने

- लोहिया ने की घोषणा- पुरानी कार्यकारिणी के सदस्य अपने पदों पर बने रहेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

लोहा व्यापार मंडल की जनरल बॉडी की बैठक हनुमान मंदिर मंडल, मोती बाजार के श्याम हाल में मण्डल के सरपरस्त ओमप्रकाश गर्ग की अध्यक्षता में हुई। इसमें मण्डल के त्रिवार्षिक चुनाव में लगातार 14वीं बार रमेश कुमार लोहिया को निर्विरोध प्रधान चुन लिया गया। इससे पहले निरंतर 13 बार अपने सुनहरे 39 वर्षों तक प्रधान पद पर रहते हुए मंडल की सेवा में लगे रमेश कुमार लोहिया के कार्यों की प्रशंसा की गई। साथ ही मण्डल की बाकी कार्यकारिणी के गठन का अधिकार भी प्रधान को ही दिया गया। इस पर प्रधान रमेश कुमार लोहिया ने पुरानी कार्यकारिणी के सदस्यों को ही अपने पदों पर बने रहने की घोषणा की।

स्वागत किया

बैठक में पिछले दिनों हुए रामलीला कमेटी कटला के चुनाव में लोहा व्यापार मंडल के कोषाध्यक्ष रमेश कुमार (दिल्ली गेट) वाले के कोषाध्यक्ष पद पर चुने जाने पर, उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। मंडल के सदस्यों ने प्रधान रमेश कुमार लोहिया एवं पूरी कार्यकारिणी सदस्यों का माला पहनाकर स्वागत किया।

नारनौंद में मोबाइल शॉप से हजारों का सामान चोरी

नारनौंद। क्षेत्र के गांव राखी गढ़ी में चोरों ने एक मोबाइल शॉप का शटर तोड़कर हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने दुकानदार की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव राखी गढ़ी निवासी फूलकुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी गांव में तमन्ना मोबाइल के नाम से दुकान है। शनिवार रात लगभग एक बजे दो अज्ञात व्यक्ति उसकी दुकान पर पहुंचे। आरोप है कि बदमाशों के पास तेजधार हथियार थे, जिनकी मदद से उन्होंने दुकान का शटर तोड़ा और भीतर घुस गए। दुकान से चोरों ने रिपेयर किए हुए 7 मोबाइल फोन, 20 डाटा केबल, 2 एयरपॉड, एक एंड्रॉयड घड़ी, 4 चार्जर, 2 ब्लूफर स्पीकर चोरी कर लिए। पीड़ित के अनुसार, चोरी गए सामान की कुल कीमत लगभग 60 हजार रुपए है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस कर्मी को उठा ले जाने का एक आरोपी और दबोचा

- धिकताना निवासी साहिल के रूप में हुई पहचान, पहले पकड़े गए आरोपी न्यायिक हिरासत में भेजे

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

एडीजीपी कार्यालय के सामने गाड़ी रोकने की बजाय पुलिस कर्मी को उठाकर ले जाने के मामले में सिविल लाइन पुलिस ने तीसरे आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान धिकताना निवासी साहिल के रूप में हुई है।

उसे सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा, वहीं शनिवार को पकड़े गए दो आरोपितों रावलवास निवासी समीर और मनीष को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। वीडियो वायरल होने के बाद सामने आए मामले के अनुसार 14 जनवरी की रात को इआरवी की 25 नंबर गाड़ी एडीजीपी कार्यालय के सामने वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान काले रंग की एक स्कार्पियो आई। उसकी छत पर दो युवक बैठे हुए थे, जो हुड़दंग कर रहे थे। वहां पर मौजूद ईएएसआई कुलदीप ने दोनों युवकों को नीचे उतरने के लिए कहा, लेकिन युवक नीचे नहीं उतरे। जब युवक गाड़ी से नीचे नहीं उतरे तो पुलिस कर्मी स्कॉर्पियो के पायदान के ऊपर चढ़कर उन्हें उतारने लगा। इसी दौरान चालक ने गाड़ी को दौड़ा दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी।

वीडियो वायरल हुआ तो हरकत में आई पुलिस

पुलिस की गाड़ी ने पीछा कर दो किलोमीटर दूर स्कॉर्पियो को रुकवाकर चारों युवकों को सिविल लाइन थाना लेकर गए थे। उनके खिलाफ हुड़दंगबाजी का केस दर्ज किया था। शनिवार को इंटरनेट पर वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस हरकत में आई और दो आरोपितों समीर और मनीष को गिरफ्तार कर लिया। रविवार को पुलिस ने तीसरे आरोपी साहिल को भी दबोच लिया।

भाविप विवेकानंद शाखा ने गुजवि के चौ. रणवीर सिंह सभागार में किया 'राममय कवि सम्मेलन

हिंदू नरसंहार की हमको निंदा विंदा नहीं चाहिए मुट्ठीभर के देश से भारत तो शर्मिंदा नहीं चाहिए

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा की ओर से गुजवि के सभागार में एक अनूठा आध्यात्मिक कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न राज्यों से आए विख्यात कवियों ने यहां के वातावरण को राममय बना दिया। भगवान राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के तत्वाधान में चौ. रणवीर सिंह सभागार में इस एक शाम राम लला के नाम 'राममय कवि सम्मेलन' का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन का शुभारंभ सायं 4 बजे 1100 दीपों के दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री रणवीर गंगवा के पुत्र संजीव गंगवा, विधायक सावित्री जिंदल के प्रतिनिधि के रूप में जगदीश जिंदल व पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता उपस्थित हुए। जीजेयू के कुलपति नरसी राम बिश्नोई व भारत विकास परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। सम्मेलन में मेयर प्रवीण पोपली भी उपस्थित रहे। इस आध्यात्मिक सम्मेलन में सेक्टर 16-17 स्थित श्याम मंदिर से श्याम मंडल के सदस्य राम चरित्र मानस और भगवान श्री राम की चांदी की चरण पादुका लेकर पहुंचे। आमंत्रित कविगणों में डॉ. संजय झाला (हास्य व्यंग्य) जयपुर, डॉ. कमलेश शर्मा (गीतकार) इटावा (उ.प्र.), सौरभ जैन सुमन (क्रांति कवि/हास्य संचालक) मेरठ, सुदीप भोला (हास्य व्यंग्य/गीतकार) जबलपुर, सुमित ओरछा (राष्ट्र चेतना, वीर रस) भोपाल मध्यप्रदेश, कृति चौबे नोएडा ने अपनी ओजस्वी वाणी भगवान राम की महिमा का गुणगान तो किया ही। मेरठ से कवि सौरभ जैन सुमन ने बांग्लादेश हिन्दू हिंसा पर अपनी कविता के माध्यम से कहा कि हिंदू नरसंहार की हमको निंदा विंदा नहीं चाहिए, मुट्ठी भर के देश से भारत तो शर्मिंदा नहीं चाहिए, एक भी हिंदू बांग्लादेश में अब जो मारा जाए तो एक भी बांग्लादेशी हिंद में हमको जिंदा नहीं चाहिए। वीर रस के कवि सुमित ओरछा ने अपनी रचना यह यात्रा है दिग से दिगंत की, यह यात्रा है आदी से अनंत की,यह यात्रा है राजा से एक संत की, यह यात्रा है भक्त से भगवंत की, यह यात्रा है तीर्थ से धाम की, यह यात्रा है काम से निष्काम की, यह यात्रा है पुण्य पावन नाम की, यह यात्रा है राम से श्री राम की के माध्यम से खूब वाहवाही लूटी। कवि डॉ. कमलेश शर्मा ने कहा कि जतन से संवारी कलम बोलती है, की बनकर दुधारी कलम बोलती है, जहां लोग अन्याय पर मौन रहते हैं, वहां पर हमारी कलम बोलती है।

हिसार। भगवान राम के समक्ष दीप प्रज्वलित करते आमंत्रित कवि।

1100 दीपकों के प्रकाश ने कार्यक्रम को चार चांद लगाए

1100 दीपकों के प्रकाश ने कार्यक्रम को चार चांद लगाए। कवि सम्मेलन में आए हुए सभी मेहमानों को अयोध्या से रामलला मंदिर परिसर की पावन रज (चरण धूलि) वितरित की कई। कार्यक्रम के उपरांत (मां सीता रसोई) से सभी ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। इसके साथ शाखा ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 501 आंखों के सफेद मोतियाबिंद के आपरेशन करवाने का लक्ष्य भी रखा जिसे पूर्ण करने के लिए सभी सदस्यों ने समाज से भी भरपूर योगदान देने की अपील की। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष अमर गोयल, कार्यक्रम संयोजक तिलक जैन, शाखा गतिविधि संयोजक संपर्क हेमंत बंसल आदि उपस्थित रहे।

समय, सेहत और संबंध... इन तीनों पर कीमत का लेबल नहीं लगा होता है, लेकिन जब हम इन्हें खो देते हैं तब इनकी कीमत का अहसास होता है।

- मुंशी प्रेमचंद

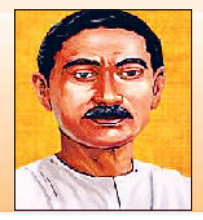

मानव मन की इच्छाएं तो असीमित हैं। बंधन उसे अस्वीकार्य हैं। पक्षियों की तरह उड़ने के लिए उसे खुला आसमान चाहिए और तैरने के लिए विस्तृत सागर। वह उन्नति के शिखरों पर चढ़ना चाहता है। हर काम में प्रतिस्पर्धा। आगे बढ़ने की चाहना। सुख-सुविधाओं की लालसा के आगे, अपनों से दूरी उनकी राह में बाधक नहीं बनती। मोह भी समाप्त हो जाता है। भौतिक सुखों का आकर्षण होता ही ऐसा है, तब वह निर्मोही बन जाता है।

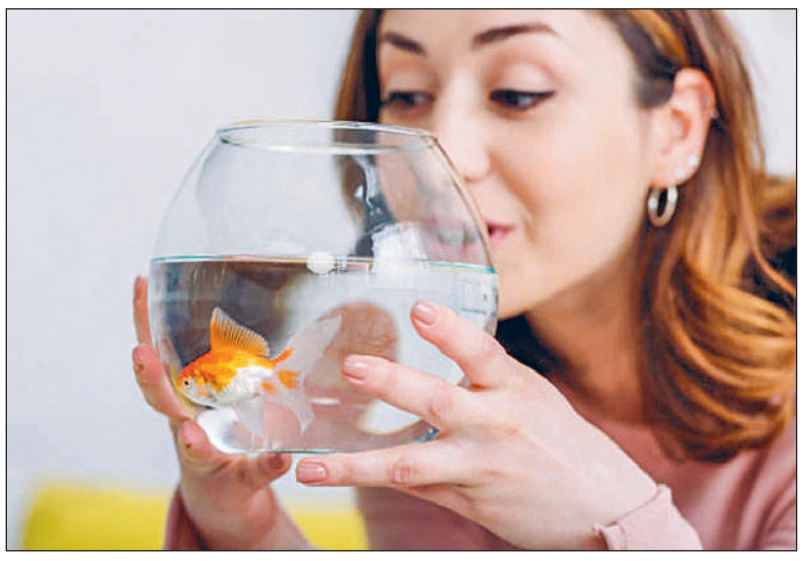

अकेलेपन का दंश

कहानी

सुदर्शन रत्नाकर

मछलियां जब लाई गई थीं, तब वे गिनती में कुल बारह थीं। ऐक्वेरियम के स्वच्छ जल में तैरतीं वे रंग-बिरंगी मछलियां एक दूसरे से टकरातीं, ऊपर-नीचे, दायें-बांयें होतीं अठखेलियां करतीं, घर में सबके आकर्षण का केन्द्र बन गईं थीं। ऐक्वेरियम के बैकग्राउंड में लगी लैंडस्केप में पहाड़, झरना, पेड़ सब थे, जो देखने में एक सुंदर दृश्य उपस्थित करते थे; लेकिन उन मछलियों के तैरने, विचरण करने की एक सीमा थी। नदी, तालाब या सागर का अथाह जल नहीं था। जो भी था तीन बाय दो फ़ीट का ऐक्वेरियम ही उनका संसार था। सीमित जल ही उनका जीवन था। स्वाभाविक रूप में जीव -जन्तु उनका भोजन नहीं थे। हमारी कृपा से ही उनका पेट भरता था। शायद हमारी कृपा अधिक ही हो जाती थी। सुबह-शाम तो उनकी डाइट डाली ही जाती थी। बच्चे आते-जाते उन्हें देखते और साथ में में दो-चार दाने ऐक्वेरियम में डाल देते।

मछलियों में हलचल शुरू हो जाती। किसी के हिस्से में दो दाने आ गये और शेष रह गईं। कोई मुटा रही थी तो कोई पहले से दुबली हो रही थी। रंग-बिरंगी दस मछलियां बेहद सुंदर थीं; लेकिन दो एकदम काली, जो दूर से ही पहचानी जाती थीं। दूसरी मछलियों से अलग और जीवट। दूसरी मछलियों को धकेलतीं एक से दूसरे कोने में पहुंच जातीं। वे रहती भी उन दोनों से अलग थीं। शायद वे उनसे अलग प्रजाति की होंगी। पर मैंने देखा कि थोड़े दिन में वे दूसरी मछलियों से हिलमिल गई थीं। एक कोने में न जाकर उनके बीच जाकर खेलने लगतीं। मछलियों के क्रियाकलापों से लगता था, बंधन में रहकर भी वे खुश हैं। उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लिया था। न भी खुश रहतीं तो भी उन्हें रहना तो वहीं था। बाहर निकल नहीं सकती थी, क्योंकि वहां जीवन का अंत था। पर मानव मन की इच्छाएं तो असीमित हैं न। बंधन उसे अस्वीकार्य हैं। पक्षियों की तरह उड़ने के लिए उसे खुला आसमान चाहिए और तैरने के लिए विस्तृत सागर। वह उन्नति के शिखरों पर चढ़ना चाहता है। हर काम में प्रतिस्पर्धा। आगे बढ़ने की चाहना। सुख-सुविधाओं की लालसा के आगे, अपनों से दूरी उनकी राह में बाधक नहीं बनती। मोह भी समाप्त हो जाता है। भौतिक सुखों का आकर्षण होता ही ऐसा है, तब वह निर्मोही बन जाता है। कोई भी बंधन उसे बांध नहीं पाता और वह पंख फैलाकर उड़ जाता है। समीर ने लंदन जाने का फ़ैसला उसे सुना दिया था। उससे पहले उसने सारी औपचारिकताएं पूरी भी कर ली थीं। वह उसे क्या कहती, उसके साथ तो जा नहीं सकती थी। यह समीर जानता था, इसीलिए उसने पूछने की ज़रूरत ही नहीं समझी। मन को यह बात चुभती रही कि वह उसे पहले ही बता देता, तब भी वह उसे रोकती नहीं, वह यह बात भी जानता है। मैंने अनुशासन में रखकर उसे संस्कारों के साथ स्वतंत्रता भी दी हुई थी, इसलिए उसकी इच्छा में बाधक बनने का तो कोई प्रश्न ही नहीं उठता था!

एक महीने के भीतर वे सब चले गए। घर सूना हो गया। तब बरसों पहले छोड़ कर गए मिहिर की बहुत याद आई थी। उसने परिस्थितियों के साथ समझौता कर लिया। मछलियों के साथ समय बिताने लगी थी। उसे देखते ही उनमें हलचल मच जाती। जैसे ही दाना डालती, वे सब उछल-उछल कर ऊपर की ओर आ जातीं। वे उसके सूनेपन की साथी हो गई थीं। ऐक्वेरियम के सामने बैठ कर घंटों उन्हें निहारती। हलकी-हल्की ठंड पड़नी शुरू हो गयी थी। मौसम ख़ुशगवार हो गया था। गुनगुनी धूप अच्छी लगने लगी थी। लॉन में बैठने को मन करता। धूप में बैठे-बैठे भी वह अंदर रखे ऐक्वेरियम में मछलियों को निहारती रहती। यह उसकी दिनचर्या बन गई थी। फिर देखते ही देखते सर्दी बढ़ गई। वर्षा के साथ ठंडी हवाएं चलने लगीं। तापमान गिरता गया। ऐक्वेरियम के सामान्य तापमान में रहने वाली मछलियों के लिए यह तापमान कम था। कमज़ोर मछलियां सह नहीं पाईं और पांच मछलियां मर गईं। उनका साथ छूट गया। उसे अच्छा नहीं लगा। शेष बची मछलियां भी दो दिन तक सुस्त रहीं। उनके डाइट के दाने पानी के ऊपर तैरते रहे। यही नहीं, अगले कुछ दिनों में सात मछलियों में से पांच और चली गईं। शेष वहीं दो काली मछलियां बच गईं, जो सबसे अलग लगती थीं। अब पूरा ऐक्वेरियम उनका था, पर वे दोनों पानी में रखे पत्थरों के बीच छिप कर बैठ जातीं। वह दाना डालती तो उछल कर ऊपर आ जातीं। भूख तो सब को लगती है, ईश्वर ने विधान ही ऐसा बनाया है। परिवार के साथ हो या अकेले पेट भरने के लिए यत्न तो करना पड़ता है। मछलियों को भी पानी में से भोजन तलाशना पड़ता है। उसने कई बार सोचा कि कुछ मछलियां और लाकर पानी में छोड़ दे; लेकिन ऐसा किया नहीं, जिनके लिए किया था वे तो चले गए। उसके लिए ये दो ही बहुत हैं। जब ढेर सारी मछलियां थीं तो ये दोनों अपने में ही मस्त रहती थीं, पर अब जब वह इनके पास से गुजरती हैं तो ये सतर्क हो जाती हैं। उछल कर ऊपर आ जाती हैं और फिर तैरती हुई दूसरे किनारे चली जाती हैं। वह उन्हें कहती है, 'तुम भाग्यशाली हो, दो तो हो। एक दूसरे का सहारा है। एक साथ रहती हो, खेलती हो, बतियाती हो, दिन- रात कब निकल जाते हैं पता ही नहीं चलता होगा तुम दोनों को। मिहिर साथ होते तो उसे भी बच्चों का चले जाना शायद अखरता नहीं।' दोनों मछलियां उछल कर फिर ऊपर आ जाती हैं। वह समझ जाती है, कहती है, 'अच्छा तुम हो मेरे साथ। हाँ, तुम हो, मैं अकेली कहां हूं। नाराज़ क्यों होती हो, चलो दाना खा लो और फिर खेलो, मैं तुम्हारा खेल देखूंगी।' इधर कई दिनों से वह उनसे बतियाने लगी है। अपनी ही आवाज़ सुन कर वह खुश हो जाती है। कोई आवाज़ तो गूंजी घर में। नहीं तो सारा दिन सूनापन पसरा रहता है। दरवाज़े खोल कर भी रखो तो भी बाहर से कोई आवाज़ नहीं आती। हर कोठी का गेट दूसरी कोठी से दूर है। सब अपने में सीमित, अपने - अपने घर में सिमटे रहते हैं। पता ही नहीं चलता, कब कोई बाहर गया और कब अंदर आया। सिवाय सड़क पर आते-जाते वाहनों के कोई और आवाज़ नहीं आती। धुआं और धूल उड़ाती गाड़ियां दिन -रात चलती रहती हैं। उनकी आवाज़ों से डर कर आंगन में लगे पेड़ों पर कभी-कभार ही कोई परिन्दा आकर बैठता है, पर वाहनों की आवाज़ में उनकी आवाज़ विलीन हो जाती है। हां, कभी कभी आती-जाती बाइयों की आवाज़ सुनाई दे जाती है, जो काम से निपट कर बाहर निकलती हैं, तो एक दूसरे से मालिकों की या अपनी गाथा सुनाने खड़ी हो जाती हैं। वह अनुभव कर रही थी, अब उसका शरीर शिथिल होता जा रहा है। खान-पान, दिनचर्या बराबर पहले जैसी है और ऐसा भी नहीं लगता कि वह बीमार है। हां, कभी कभी सांस उखड़ने लगती है। मौसम बदलने पर प्रभाव अधिक पड़ता है। प्रदूषण से भी तो कोई बचाव नहीं। उसने विशेष ध्यान नहीं दिया, लेकिन एक रात सोते हुए उसका दम घुटने लगा। सांस लेने में अत्यधिक कठिनाई हो रही थी। अवश्य ही उसे हार्ट अटैक आने वाला है, सोच कर ही वह सिंहर उठी। उसने समझदारी से काम लिया। एम्बुलेंस बुला कर वह स्वयं उसमें जा बैठी। अस्पताल घर के पास ही था, इसलिए वहां पहुंचने में देर नहीं लगी।

सभी टेस्ट करने के बाद पता चला कि उसके फेफड़ों में संक्रमण हो गया है। इलाज शुरू हो गया। पांच दिन वह अकेली अस्पताल में रही। उसने किसी को बताया ही नहीं। वैसे भी कौन ख़ाली बैठा है। पर अकेले समय काटना उसके लिए भारी हो गया था। डॉक्टर या सिस्टर आती तो कमरे का सूनापन थोड़ी देर के लिए कम हो जाता। दो दिन के बाद सुबह-शाम कॉरिडोर में चक्कर लगाने लगी। वार्ड में भी चली जाती। देखती सभी मरीज़ों के पास कोई न कोई सगा सम्बंधी बैठा होता। अस्पताल में मिलने के समय में भी सम्बंधी या परिचित मिलने आ जाते हैं। उस समय मरीज़ के चेहरे पर कितना आत्मसंतोष झलकता है। कोई है, जो अपना है। कितना कठिन होता है दुख की घड़ी में अकेलेपन के दंश को सहना, लेकिन सहना पड़ता है। उसने कुछ मरीज़ ऐसे भी देखे जिनके पास, उसकी तरह मिलने के समय में भी कोई नहीं आता था। घर में ऐक्वेरियम में मछलियां भी तो अकेलेपन को सह रही हैं। आती बार वह दाना डालना नहीं भूली थी, पर अब तक तो वे ख़त्म कर चुकीं होगी। पांच दिन बाद वह घर लौट आई। कोई सहारा देकर अंदर ले जाने वाला तो था नहीं। थोड़े दिन के लिए एक नर्स का प्रबंध वह अस्पताल से ही करके आई थी। जो एक सप्ताह तक आती रही। फिर मेड को सुबह से शाम तक रोकने लगी। अब ऐक्वेरियम उसने कमरे में रखवा लिया था। एक शाम उसने देखा एक मछली सुस्त हो रही है। उसने खाना भी नहीं खाया और पत्थर के बीच दुबकी रही। शरीर में कोई हरकत नहीं थी। वह मर गई थी। उदासी और निराशा उसे सारा दिन घेरे रही। अब ऐक्वेरियम में एक ही मछली रह गई थी, अकेली उसकी तरह। दो दिन तक वह भी शिथिल रही। साथी के जाने का दुख था शायद। संवेदनाएं तो जीव-जन्तुओं में भी होती हैं, पर मनुष्य ही उनकी भावनाओं को नहीं समझ पाता। अब धीरे-धीरे वह स्वस्थ हो रही थी। मछली की आंखों में अकेलेपन का दर्द उसे दिखाई देने लगा था। वह उसकी ओर देखती, मानो कह रही हो, याचना कर रही हो ,जो वह समझ नहीं पा रही थी, पर एक दिन उसने मछली की आंखों की भाषा पढ़ ही ली थी। तब उसने एक निश्चय कर लिया था। वह ऐक्वेरियम के पास आकर उससे बोली, 'अरी, घबराती क्यों हो, अब तुम अकेली नहीं रहोगी, समझी।' सोने से पहले उसने सोचा- वह और मछलियां लाकर ऐक्वेरियम में छोड़ कर देगी। विशेष रूप से काली मछलियां ज़रूर लाएगी ताकि वह अकेली न रह जाए। उनके साथ बतियाते हुए उसका समय कट जाएगा; लेकिन अगले दिन सुबह जगने पर उसने अपना निर्णय बदल लिया था। एक बड़े डिब्बे में पानी भरा, ऐक्वेरियम को खोल कर उस काली मछली को उसमें डाल दिया। घर के पास ही एक छोटे से पौंड में उसे छोड़ते हुए कहा, "जाओ अपने साथियों के साथ मिलकर आज़ादी से रहो, अकेलेपन की पीड़ा क्या होती है, मैं जानती हूं। और हां, सुनो, मैं भी अब अकेली नहीं रहूंगी अस्पताल जाया करूंगी, उनके साथ रहूंगी, जिनका कोई नहीं, जो अकेले हैं।' मछली ने कुछ सुना या समझा, पता नहीं; लेकिन पौंड में जाते ही वह स्फूर्ति से तैरने लगी।

मछली की आंखों में अकेलेपन का दर्द उसे दिखाई देने लगा था। वह उसकी ओर देखती, मानो कह रही हो, याचना कर रही हो ,जो वह समझ नहीं पा रही थी, पर एक दिन उसने मछली की आंखों की भाषा पढ़ ही ली थी। तब उसने एक निश्चय कर लिया था। वह ऐक्वेरियम के पास आकर उससे बोली, 'अरी, घबराती क्यों हो, अब तुम अकेली नहीं रहोगी, समझी।' सोने से पहले उसने सोचा- वह और मछलियां लाकर ऐक्वेरियम में छोड़ कर देगी। विशेष रूप से काली मछलियां ज़रूर लाएगी ताकि वह अकेली न रह जाए। उनके साथ बतियाते हुए उसका समय कट जाएगा; लेकिन अगले दिन सुबह जगने पर उसने अपना निर्णय बदल लिया था।

कविता चांदनी केशरवानी 'सुगंधा'

मुक्तक

यहां है झूठ थोड़ा तो यहां सच की भी माला है,
यहां अमृत अगर मिलता है तो विष का भी प्याला है,
यहां मन में ही उठते पाप पुण्यों के समुन्दर हैं
अगर मंथन करो मन का तो बनता इक शिवाला है।

जो पैर धरती पर रहे, आकाश चढ़ गए,
कांटों भरे जमीन पे ,पैदल ही बढ़ गए,
ख़ाली थे जिनके हाथ विरासत के नाम पर
मेहनत से अपने भाल पे वो जीत गढ़ गए।

बन्द दिलों के द्वार यहां तो खुलने दो,
प्रेम सुधा से नफ़रत को भी धुलने दो,
मत बांटो तुम रंगों से इस दुनिया को
रंग यहां अब प्रेम के सारे घुलने दो।

खा के ठोकर भी ख़ुद को सँवारा करो ,
मुश्किलों में भी डट कर गुज़ारा करो,
जीत अक्सर मिले, यह जरूरी नहीं ,
हार कर भी न हिम्मत, यूँ हारा करो।

,अहम से जो भरोगे तुम, यहाँ पहचान खो दोगे ।
बहेंगे अश्रु आँखों से अधर मुस्कान खो दोगे।
यहाँ नारी सभी पूजित, अमानत हैं धरा की वो
नहीं आदर किए इनकी तो तुम सम्मान खो दोगे।

कविता लता

पंछी बन जाऊं मैं

मैं भी एक पंछी होती,
अपनी मर्जी से खेल पाती,
मुझे भी होती पूरी आजादी,
मैं भी कहीं भी घूम पाती,
अपनी मर्जी से सब खा पाती,
इतना ऊँचा मैं उड़ना चाहती,
किसी की सोच तक पहुँच न पाती,
किताबों के पंछी आसमान में उड़ते,
इतनी ऊंची वो उड़ान भरते कि,
फिर नीचे न किसी को देखते,
करते अपने मन की सौ बार,
फड़ फड़ उड़ जाते हर बार।।

लघुकथा राजश्री गौड़

हिम्मत सिंह का दर्द

जब से सर्जिकल-स्ट्राइक-2 हुआ है, तमाम देशवासियों की तरह मेरे मुहल्ले के लोग भी बदले व जीत की ख़ुशी से फूले नहीं समा रहे। गली-नुक्कड़ पर सभी नव-उत्साह से भरे प्रधानमंत्री के साहसिक कदम व सीमा के प्रहरी जाँबाजों की भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहे हैं।

मेरे पड़ोस में ही रहने वाले हिम्मत सिंह हवलदार ड्युटी पर जाने को निकले तो पड़ोसियों का जमावड़ा देख दुआ-सलाम के साथ ही लगे देश की सुरक्षा सम्बंधी घटनाओं पर अपनी व्यथा उड़ेलने।

'आर्मी और एयरफोर्स तो पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक कर चुकी है, हमें भी तो मौका मिलना चाहिए। हम सिर्फ बापुओं व बाबाओं को पकड़ने के लिए ही हैं।'

'साहब, ये बाबा-बापु भी पकड़ने बहुत जरूरी हैं, जो देश की आधी आबादी व संस्कृति को शहीद करने में लगे हैं।'

हवलदार हिम्मत सिंह का सीना गर्व से फूल गया।

प्रदेश की समृद्ध साहित्यिक विरासत

हरियाणा का साहित्यिक इतिहास वैदिक ऋचाओं की पवित्रता से लेकर आधुनिक विमर्श तक की एक अनवरत यात्रा है। इसमें नाथ योगियों का वैराग्य है, तो संत कवियों की निश्छल भक्ति भी; इसमें क्रांतिकारियों का ओज है, तो आधुनिक लेखकों की वैचारिक प्रखरता भी।

मंथन कमलेश शर्मा

हरियाणा की सोंधी मिट्टी में केवल किसान के पसीने की गंध ही नहीं, बल्कि साहित्यकारों की कलम से निकली स्याही की सुगंध भी उतनी ही गहराई से रची-बसी है। सरस्वती नदी के तट पर पल्लवित-पुष्पित हुई यह सभ्यता, जिसे भारतीय संस्कृति का पालना कहा जाता है, सदियों से साहित्य के सृजन और संवर्धन में एक मूक किंतु सशक्त प्रहरी की भूमिका निभाती आ रही है।

हरियाणा के हिंदी साहित्य वटवृक्ष का बीज नाथ साहित्य परंपरा में खोजा जा सकता है। अस्थल बोहर मठ इस परंपरा का वह ध्रुव तारा रहा है, जिसने हिंदी साहित्य को दिशा दिखाई। बाबा मस्तनाथ और विशेष रूप से चौरंगीनाथ, जिन्हें लोकगाथाओं में पूरण भगत के नाम से जाना जाता है, को हिंदी के प्रारंभिक गद्यकारों और कवियों की श्रेणी में शीर्ष स्थान प्राप्त है। उनकी कालजयी रचनाओं, जैसे 'प्राण संकली' में हमें अपभ्रंश और पुरानी हिंदी का वह दुर्लभ संक्रांति-कालीन स्वरूप देखने को मिलता है, जिसने आगे चलकर आधुनिक खड़ी बोली हिंदी की नींव रखी। मध्यकाल में जब संपूर्ण भारतवर्ष भक्ति रस में सराबोर था, तब हरियाणा की पावन धरा भी इस आध्यात्मिक क्रांति से अछूती नहीं रही।

महाकवि सूरदास : फरीदाबाद के सीही गांव की मिट्टी ने हिंदी साहित्य को वह अनमोल रत्न दिया, जिसे दुनिया महाकवि सूरदास के नाम से जानती है। अपनी प्रज्ञाचक्षुओं से सूरदास ने 'सूरसागर' के माध्यम से ब्रजभाषा को जो लालित्य और माधुर्य प्रदान किया, वह अद्वितीय है। उनके वात्सल्य और श्रृंगार वर्णन में मानवीय संवेदनाओं की जो सूक्ष्मता मिलती है, वह विश्व साहित्य में दुर्लभ है।

संत गरीबदास : इसी कालखंड में झज्जर के संत गरीबदास ने निर्गुण भक्ति परंपरा को आगे बढ़ाया। उनकी वाणी में कबीर की वैचारिक परंपरा का विस्तार दिखाई देता है, जिसमें सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार और मानवीय समानता का संदेश स्पष्ट रूप से उभरता है। उनकी भाषा हरियाणवी मिश्रित हिंदी थी, जो सीधे जनसाधारण के हृदय तक पहुंचती थी।

महाकवि संतोख सिंह : इसी वैचारिक श्रृंगार में कैथल के राजकवि महाकवि संतोख सिंह का योगदान भी अविस्मरणीय है, जिन्होंने 'श्री गुरु प्रताप सूरज ग्रंथ' जैसी विशालकाय कृति रचकर ब्रजभाषा को शास्त्रीय ऊंचाइयां प्रदान की। अठारह सौ सत्तावन की महान क्रांति के दौरान यहां का साहित्य दरबारों से निकलकर रणक्षेत्रों में गूंजने लगा। लोककवियों, जिन्हें इतिहास की किताबों में भले ही स्थान न मिला हो, ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ ऐसे ओजस्वी गीत और रागनियां लिखी। आल्हा गायन और वीरगाथाओं ने युवाओं में नए जोश भरने का कार्य किया।

बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह और झज्जर के नवाब अब्दुर्रहमान खान की शहादत पर रचे गए लोकगीत हरियाणा में बड़े आदर से गाए जाते हैं, जो यह प्रमाणित करते हैं कि इस भूमि पर कलम और तलवार, दोनों ही स्वाधीनता संघर्ष के समान रूप से भागीदार रहे हैं। आधुनिक हिंदी साहित्य के निर्माण में हरियाणा के मनीषियों का योगदान नींव के पत्थर समान है।

बाबू बालमुकुंद गुप्त : रेवाड़ी के गुड़ियानी गांव के सपूत बाबू बालमुकुंद गुप्त को भारतेंदु युग और द्विवेदी युग के बीच की सबसे मजबूत कड़ी माना जाता है। जब देश गुलाम था, तब उन्होंने 'शिवशंभू के चिट्ठे' के माध्यम से तत्कालीन निरंकुश शासकों की सत्ता को अपने व्यंग्य से हिलाकर रख दिया था। उनकी कलम ने भयमुक्त पत्रकारिता के उच्च प्रतिमान स्थापित किए।

पंडित माधव प्रसाद मिश्र : इसी दौर में भिवानी के कुंगड़ गांव के पंडित माधव प्रसाद मिश्र ने हिंदी कहानी को नई दिशा दी। उनकी कहानी 'लड़की की बहादुरी' को हिंदी की प्रारंभिक मौलिक कहानियों में गिना जाता है, जिसने यथार्थवाद की जमीन तैयार की।

तुलसीराम शर्मा 'दिनेश' : भिवानी के ही तुलसीराम शर्मा 'दिनेश' ने 'पुरुषोत्तम' और 'भक्त-भारती' जैसे महाकाव्यों की रचना कर हिंदी प्रबंध काव्य की परंपरा को समृद्ध और गौरवन्वित किया। जहां एक ओर शिष्ट हिंदी साहित्य अपनी ऊंचाइयां छू रहा था, वहीं, दूसरी ओर हरियाणवी लोकभाषा का साहित्य जन-जन की आवाज बन रहा था।

पंडित लखमीचंद : पंडित लखमीचंद को हरियाणवी साहित्य का सूर्य कवि कहा जाता है। उन्होंने 'सांग' विधा को सामान्य मनोरंजन से निकालकर दार्शनिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके सांगों में वेदों का ज्ञान और लोकजीवन का अनुभव एक साथ मिलता है। उनके समकालीन और शिष्यों ने इस परंपरा को और निखारा। वहीं, पंडित मांगेराम अपनी विलक्षण प्रतिभा, छंदविधान और शिल्पगत अनुशासन के लिए विख्यात हुए। मांगेराम ने रागिनी को एक सुगठित साहित्यिक ढांचा प्रदान किया। उनकी 'कृष्ण-सुदामा' और 'शकुंतला-दुष्यंत' जैसी रचनाएं भाषा की शुद्धता की मिसाल हैं।

बाजे भगत : बाजे भगत इस परंपरा में एक समाज सुधारक के रूप में उभरे, जिन्होंने अपनी कविताओं से पाखंड और सामाजिक कुरीतियों पर तीखे वार किए। इनके साथ-साथ अनेक लोककवियों ने इस यज्ञ में अपनी–अपनी आहूतियाँ डाली।

राजाराम शास्त्री : हरियाणवी साहित्य केवल पद्य तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आधुनिक काल में राजाराम शास्त्री ने 'झाड़फिरी' नामक प्रथम हरियाणवी उपन्यास लिखकर गद्य लेखन का श्रीगणेश किया। इस उपन्यास में ग्रामीण हरियाणा के ताने-बाने, अंधविश्वास और रिश्तों की जटिलताओं का जैसा यथार्थवादी चित्रण मिलता है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। समग्रतः यह कहा जा सकता है कि हरियाणा का साहित्यिक इतिहास वैदिक ऋचाओं की पवित्रता से लेकर आधुनिक विमर्श तक की एक अनवरत यात्रा है। इसमें नाथ योगियों का वैराग्य है, तो संत कवियों की निश्छल भक्ति भी; इसमें क्रांतिकारियों का ओज है, तो आधुनिक लेखकों की वैचारिक प्रखरता भी। हरियाणा का साहित्य इस वीर भूमि के स्वाभिमान, संघर्ष, सांस्कृतिक चेतना और अदम्य जिजीविषा का जीवंत परिचय कहा जा सकता है।

जज्बातों, कशमकश और यथार्थ का संगम है 'मुनासिब'

पुस्तक : मुनासिब
लेखक : चरणजीत चरण
मूल्य : 200 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा डॉ. विजेंद्र कुमार

साहित्य समाज का दर्पण होता है, लेकिन गज़ल उस दर्पण में पड़ने वाली अक्स की 'रूह' होती है। सुप्रसिद्ध गज़लकार चरणजीत चरण का गज़ल संग्रह 'मुनासिब' इसी रूह की तलाश करता हुआ प्रतीत होता है। इस संग्रह के शेर न केवल पढ़ने वाले को अपनी ओर खींचते हैं, बल्कि वे पाठक के दिल में दबे उन जज्बातों को जुबान देते हैं जो अक्सर खामोश रह जाते हैं। 'मुनासिब' में इश्क़ की टीस भी है, रिश्तों की गरिमा भी, और बदलते समाज पर एक तीखा कटाक्ष भी। चरणजीत की शायरी में प्रेम का वह रूप दिखाई देता है जो फिल्मी नहीं, बल्कि यथार्थवादी है। प्रेम और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच पिसते हुए आम आदमी की दास्तां इस शेर में बखूबी बयां होती है:

दबाकर हाथ मेरा ज़ोर से हंसते हुए बोली
अगर अब वस्ल का सोचेंगे तो घर टूट जाएगा

यहाँ 'घर' और 'वस्ल' (मिलन) के बीच का द्वंद्व पाठक को भीतर तक झकझोर देता है। इसी कशमकश का विस्तार उस शेर में मिलता है जो शायद इस संग्रह का शीर्षक-शेर भी कहा जा सकता है:

न घर जाना मुनासिब था, न मर जाना मुनासिब था
जहां हम थे वहां से बस बिछड़ जाना मुनासिब था

यह शेर बेबसी की उस पराकाष्ठा को छूता है जहां 'बिछड़ना' चुनाव नहीं, बल्कि एकमात्र विकल्प रह जाता है। शायर ने 'मुनासिब' शब्द का प्रयोग जिस नज़ाकत से किया है, वह उनकी भाषाई पकड़ का सबूत है। चरणजीत की गज़लें सिर्फ गम का रोना नहीं रोतीं, बल्कि वे जीने का हौसला भी देती हैं। आज के दौर में जहां हर कोई ज्यादा पाने की होड़ में है, वहाँ शायर 'कम' में गुज़ारा करने की बात कर एक साधुत्व का परिचय देता है:*कौन ख़ुशी का रास्ता देखे ग़म से काम चला लेंगे*तुम अपना पूरा कर लो हम कम से काम चला लेंगे*यह पंक्ति त्याग और प्रेम में समर्पण की पराकाष्ठा है। 'मुनासिब' संग्रह केवल निजी जज्बातों तक सीमित नहीं है। इसमें समाज की विसंगतियों पर भी चोट की गई है। कुल मिलाकर, यह संग्रह 'मुनासिब' यादों, कसक, नैतिकता और जीवन के छोटे-छोटे पलों का एक खूबसूरत गुलदस्ता है। यह संग्रह साबित करता है कि अच्छी शायरी वह नहीं जो सिर्फ वाह-वाही लूटे, बल्कि वह है जो पाठक को यह महसूस कराए कि यह उसी की कहानी है। निस्संदेह यह संग्रह पाठकों की यादों में लंबे समय तक महकता रहेगा।

अनदेखी: संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा, घरों से बाहर निकलना मुश्किल

गलियों में बह रहा सीवर का पानी, पेयजल में मिक्स होकर घरों में हो रहा सप्लाई

उकलाना। लोगों के घरो में घुसा सीवरेज का पानी तथा गली में नाक पर हाथ रखकर खड़े लोग। फोटो : हरिभूमि

■ उकलाना में लोगों का जीना हुआ बेहाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उकलाना

क्षेत्र में जन स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते आमजन का जीवन नारकीय होता जा रहा है। शहर के अनेक इलाकों में सीवरेज लाइन से निकली गंदगी घरों के भीतर घुस रही है, वहीं गंदा पानी गलियों में फैलकर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई स्थानों पर सीवरेज का पानी पेयजल लाइन में मिक्स होकर घरों में पहुंच रहा है, जिससे संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। हालात ऐसे हैं कि घरों के अंदर तक सीवरेज से निकली गंदगी पहुंच रही है। गलियों में जमा गंदगी के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है।

कई बार दी जा चुकी शिकायत

प्रभावित क्षेत्रवासियों ने बताया कि इस गंभीर समस्या को लेकर जन स्वास्थ्य विभाग को अनेक बार शिकायत दी जा चुकी है। विभाग के टोल फ्री नंबर 1800-180-5678 पर भी कई बार शिकायत दर्ज कराई गई, जिनके शिकायत नंबर 998496, 999694 व 1000876 हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जब वे विभागीय अधिकारियों को फोन करते हैं तो केवल अभी करवा देंगे कहकर टाल दिया जाता है। कनिष्ठ अभियंता व उपमंडल अभियंता को भी कई बार अवगत करवाया गया, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। सीवर के पानी के साथ बीमारियां घरों में दस्तक दे रही हैं, जबकि विभाग कुंभकर्णी नींद सोया हुआ है।

मामले में संज्ञान लेने की मांग

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय निवासियों ने मानवाधिकार आयोग से भी इस मामले में संज्ञान लेने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो ये हालात सीधे तौर पर लोगों की जिंदगियों से खेलने जैसे होंगे। स्थानीय लोग इस समस्या को लेकर थाना प्रभारी के पास भी पहुंचे और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। इस मौके पर अजय सोनी, राजेंद्र सोनी, सुरेश सोनी, महेश सोनी, त्रिलोकनाथ, उमेश कुमार, सोनिया बवेजा, राजन, राजू नागदा, ज्योति, सुनीता, मुस्कान, कांता, कोमल, डिंपल, गीता सहित अन्य नागरिक मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में प्रशासन से समस्या का स्थायी समाधान करने की अपील की।

समस्या के समाधान के प्रयास जारी

संबंधित क्षेत्र की सीवरेज लाइनों को खोल दिया गया है। उन्होंने कहा कि गलियां अत्यधिक संकरी हैं, जिस कारण जेटिंग मशीन वहां तक नहीं पहुंच पा रही है। विभाग की ओर से वैकल्पिक व्यवस्था के जरिये समस्या के समाधान के प्रयास किए जा रहे हैं।
-कंवरपाल, उपमंडल अभियंता, जन स्वास्थ्य विभाग।

हांसी। यातायात पुलिस ने चलाया विशेष चेकिंग अभियान फोटो : हरिभूमि

743 वाहनों के दस्तावेज जांचे, 165 के चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

जिला पुलिस हांसी द्वारा यातायात नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करते हुए मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई है। इस विशेष अभियान के दौरान जिला पुलिस हांसी द्वारा 743 वाहनों की जांच की गई और यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले 165 वाहनों के मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत चालान किए गए। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, आमजन की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना व यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना रहा।

पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि वे वाहन चलाते समय स्वयं व अपने परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों की पूर्ण पालना करें। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चालक अनिवार्य रूप से हेलमेट का प्रयोग करें, वहीं चार पहिया वाहन चालक सीट बेल्ट अवश्य लगाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें और शराब पीकर वाहन ना चलाएं।

विशेष सावधानी बरतें वाहन चालकः एसपी

पुलिस अधीक्षक ने सर्दियों के मौसम में कोहरे एवं धुंध को देखते हुए वाहन चालकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोहरे के कारण कम दृश्यता होने से सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है, जिससे बचाव हेतु सुरक्षित ड्राइविंग के साथ यातायात नियमों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि धुंध के दौरान अपने वाहन की गति सामान्य से कम रखें।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने के मामले में एक पकड़ा

अदालत ने आरोपी को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सिविल लाइन पुलिस ने विदेश भेजने के नाम पर ठगी, अपहरण, मारपीट करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी जालंधर के काकी पिंड निवासी सोमनाथ उर्फ संधू को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

जांच अधिकारी एएसआई विनोद कुमार ने बताया कि इस संबंध में जिले के गांव बिठमड़ा निवासी जगजीत सिंह ने शिकायत दी थी। उसने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उसे अमेरिका भेजने का झांसा देकर कुल 35 लाख रुपये की मांग की। योजना के तहत उसे पहले दुबई और फिर माली (अफ्रीका) भेजा गया, जहां उसे जबरन बंधक बनाकर एक कमरे में बंद रखा गया। इस दौरान उसके साथ मारपीट की गई, नकदी और पासपोर्ट छीन लिया गया और जान से मारने की धमकी देकर अतिरिक्त 10 लाख रुपये की फिरौती भी वसूली गई। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपियों ने उससे कुल मिलाकर लगभग 26.97 लाख रुपये की ठगी की, जिसमें नकद राशि, विदेशी मुद्रा व यात्रा खर्च शामिल है।

शिकायत पर थाना सिविल लाइन में पिछले वर्ष 16 जुलाई को केस दर्ज करके जांच शुरू की गई। इसी के चलते पुलिस ने आरोपी जालंधर के काकी पिंड निवासी सोमनाथ उर्फ संधू को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को अदालत में पेश करके आगे की पूछताछ के लिए तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है, ताकि ठगी की रकम की बरामदगी, अन्य संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी तथा नेटवर्क की पूरी कड़ी का खुलासा किया जा सके।

अनुकूल मौसम के चलते गेहूं और सरसों की बंपर फसल की उम्मीद

हिसार। वर्तमान मौसम में खिली धूप और संतुलित तापमान रबी फसलों, खासकर गेहूं के लिए फायदेमंद मानी गई है। इससे अच्छी बढ़वार और कम कीट प्रकोप की उम्मीद है। फसलों के अनुकूल मौसम के चलते इस बार प्रदेश में गेहूं, जौ व चने की बंपर पैदावार की उम्मीद है। मानसून में अधिक बारिश होने से हवा में बनी नमी और कोहरा छाने से फायदा मिल रहा है। हालांकि सरसों की फसल पर मौसम का हल्का प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल सकता है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार सरसों की बेहतरीन बढ़वार के लिए 10 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच का तापमान सबसे उपयुक्त माना जाता है। हालांकि इस बार तापमान थोड़ा नीचे रहा है लेकिन सरसों में ज्यादा नुकसान नहीं है। आगामी दिनों में तापमान ज्यादा बढ़ने के आसार नहीं है इससे दाने का साइज भी बड़ा होगा और दानों में तेल की प्रतिशत मात्रा में वृद्धि होगी। इसी तरह गेहूं की फसल अभी शुरुआती चरण में है। कृषि विज्ञानियों के अनुसार रात का तापमान 8 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है तो बालियों में दाने का भराव ठोस और वजनदार होता है। इस बार ऐसा ही मौसम बना हुआ है। ठंड के कारण गेहूं के पौधों में टिलरिंग यानी जड़ों का फैलाव अच्छा होता है। तापमान बढ़ने से बालियां जल्दी आने का खतरा रहता है और गेहूं का दाना पिचक सकता है, लेकिन इस बार फसल में हीट स्ट्रेस नहीं है। हवा में नमी की मात्रा ज्यादा है। गेहूं की फसल में बालियां समय पर ही आएंगी।

नियमित ध्यान से आत्मविश्वास में होती है वृद्धिः आचार्या साक्षी

■ 30 जनवरी से 1 फरवरी को चौधरी रिसॉर्ट में होगा तीन दिवसीय सिद्धार्थ ध्यान योग शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

समर्थगुरु धारा संघ के तत्वावधान में साधना केंद्र में ऊर्जा ध्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन आचार्या मां साक्षी द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में साधकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। ध्यान सत्र के दौरान आचार्या मां साक्षी ने साधकों को ऊर्जा प्रवाह, श्वसन-संतुलन और चेतना जागरण की सरल एवं प्रभावी विधियों का अभ्यास कराया। सत्र के दौरान वातावरण पूर्णतः शांत, सकारात्मक और ऊर्जा से परिपूर्ण रहा। ध्यान के पश्चात उपस्थित साधकों ने मानसिक शांति, एकाग्रता में वृद्धि और आंतरिक स्फूर्ति का अनुभव होने की बात कही।

आचार्या मां साक्षी ने अपने संबोधन में बताया कि ऊर्जा ध्यान व्यक्ति के भीतर छिपी सकारात्मक शक्तियों को जागृत करती है और यह तनाव, भय एवं नकारात्मक विचारों से मुक्त होने में सहायक होती है। उन्होंने कहा कि नियमित ध्यान अभ्यास से जीवन में संतुलन, स्वास्थ्य और आत्मविश्वास में निरंतर वृद्धि होती है।

पार्षद वर्मा को पितृशोक

हिसार। नगर निगम के वार्ड नम्बर सात के पार्षद मनोहर लाल वर्मा के पिता रणसिंह भोंडीवाल का आज स्वर्गवास हो गया। वे लगभग 77 वर्ष के थे। अन्तिम संस्कार बारह क्वार्टर स्थित श्मशान भूमि में कर दिया गया। अंतिम संस्कार के मौके पर नगर निगम के मेयर प्रवीन पोपली, पूर्व मेयर गौतम सरदाना, पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर अनिल मानी, पार्षद सत्यपाल पानू, पार्षद नवीन, पूर्व पार्षद मास्टर जय प्रकाश, अनिल जैन, प्रीतम सैनी, केबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा के प्रतिनिधि रामचन्द्र गंगवा, पूर्व चेयरमैन कर्ण सिंह रानोलिया, बारह क्वार्टर कुम्हार धर्मशाला के प्रधान डॉ. प्रहलाद सिंह पंवार, रमेश मोर, कपूर बामल, श्याम सुंदर बत्रा, राजवंशी सैनी, नरेन्द्र नेहरा, हरिओम जांगड़ा, रामकुमार यादव, राजू जोगी, संतलाल वर्मा, दरिया सिंह के अलावा नगर के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

22 आइस स्केटर्स की टीम करेगी हरियाणा का प्रतिनिधित्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार।

हिसार। टीम के चयन अवसर पर पदाधिकारी व सदस्य। फोटो : हरिभूमि

खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 में हरियाणा आइस स्केटिंग संघ की खिलाड़ियों की टीम पूरी मजबूती के साथ हिस्सा लेने जा रही है। इस राज्यस्तरीय टीम में फिगर स्केटिंग, शोर्ट ट्रैक और लॉन्ग ट्रैक तीनों इवेंट शामिल होंगी। इस बार हरियाणा की ओर से 22 खिलाड़ियों सहित कुल 28 सदस्यीय दल हिस्सा लेगा। इसके लिए हरियाणा आइस स्केटिंग संघ के प्रदेश अध्यक्ष बिजेंद्र लोहान को चीफ मैनेजर बनाया गया है। पहली बार हरियाणा संघ के दो पदाधिकारी भारतीय आइस स्केटिंग संघ की ओर से खेलो इंडिया में टेक्निकल ऑफिशियल होंगे। इसमें हरियाणा आइस स्केटिंग संघ के महासचिव दीपक कोहाड़ व भिवानी से महासचिव पंकज चौधरी शामिल हैं। यह हरियाणा में आइस स्केटिंग के बढ़ते कुनबे को दर्शाता है। पूरी टीम की जिम्मेवारी हरियाणा आइस स्केटिंग संघ के ऑफिशियल्स चीफ मैनेजर बिजेंद्र लोहान, असिस्टेंट मैनेजर कुणाल, फरीदाबाद से महिला कोच सोनू सहरावत और फतेहाबाद से पुरुष कोच प्रमोद कौशिक के कंधों पर रहेगी।

टीम में सिर्फ राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी ही शामिल

हरियाणा आइस स्केटिंग संघ के प्रदेश अध्यक्ष बिजेंद्र लोहान और महासचिव दीपक कोहाड़ ने बताया कि हरियाणा खेलो इंडिया में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के मकसद से पूरी तैयारी की है। हरियाणा ने खेलो इंडिया के लिए देहरादून में लगातार ट्रेनिंग कैंप लगाकर तैयारी की है और इस टीम में केवल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी ही शामिल हैं। हाल ही में फिलीपींस से हरियाणा की दो बेटियां जूनियर आयु वर्ग में रोहतक से परीषा कांस्य पदक और सीनियर आयु वर्ग में गुड़गांव से स्तुति धनधनिया रजत पदक लेकर लौटी थीं।

ये करेंगे प्रतिनिधित्व

जो खिलाड़ी खेलो इंडिया में टीम हरियाणा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, उनमें शॉर्ट ट्रैक में आशीष (सोनीपत), जय यादव (रेवाड़ी), आरव सिंघल (गुरुग्राम), रोहित (हिसार), सचिन सिंह (अंबाला), परविंदर (रोहतक), स्तुति डांडिया (गुरुग्राम), रैना कुकरेजा (सोनीपत), मानवी (अंबाला), जिया (फरीदाबाद) शामिल हैं। इसी तरह लॉन्ग ट्रैक में गौरव खटकर (सोनीपत), सचिन सिंह (अंबाला), शुभम मित्तल (अंबाला), विकास (हिसार), हर्षिता (रोहतक), मानवी (अंबाला) व रैना कुकरेजा (सोनीपत) शामिल हैं। फिगर स्केटिंग में जतिन शेरावत (फरीदाबाद), कपिश कौशिक (फतेहाबाद), उत्कर्ष सक्सेना (गुरुग्राम), गोरी रॉय (गुरुग्राम), सौम्या सक्सेना (गुरुग्राम), सिमर अग्रवाल (गुरुग्राम), चेल्सी (फरीदाबाद), हीया अदलखा (गुरुग्राम), महिला टीम कोच सोनू शेरावत (फरीदाबाद) व पुरुष टीम कोच प्रमोद कौशिक (फतेहाबाद) शामिल हैं।

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र में हिस्सा लेते साधक।

ध्यान, करुणा व जागरूकता अपनाने वाले मनुष्य में स्वतः उत्पन्न हो जाता है मंगल भाव : स्वामी संजय

हिसार। ध्यान व मंगल भाव से रूबरू करवाने और ध्यान विधियां साझा करने के उद्देश्य से सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस ध्यान सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में साधकों ने हिस्सा लिया। स्वामी संजय व मां सांची ने न केवल ध्यान करवाया, बल्कि मंगल भाव का महत्व भी समझाया। इस अवसर पर उन्होंने साधकों को मंगल भाव अपनाने का आह्वान भी किया। स्वामी संजय ने स्पष्ट किया कि मनुष्य को ध्यान करते हुए करुणा और जागरूकता को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ध्यान, करुणा व जागरूकता अपनाने वाले इंसान में मंगल भाव स्वतः उत्पन्न हो जाता है। उन्होंने कहा कि सतगुरु ओशो ने भी ध्यान व मंगल भाव को बड़े ही सारगर्भित प्रवचनों में समझाया है।

धरना सिरसा–चंडीगढ़ मार्ग पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज में अंडरपास की मांग पर अड़े क्षेत्रवासी

अंडरपास नहीं बना तो अंतिम संस्कार के समय भी नागरिकों को परेशानी होगी : महेंद्र कुन्नर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उकलाना

सिरसा–चंडीगढ़ मार्ग पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज में अंडरपास की मांग पर चल रहा धरना तीसरे दिन भी जारी रहा। धरने को लगातार स्थानीय लोगों का समर्थन मिल रहा है और बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर मौके पर पहुंच रहे हैं। इस दौरान लोटस इंटरनेशनल स्कूल के अध्यक्ष महेंद्र कुन्नर ने धरने का समर्थन करते हुए कहा कि फतेहचंद कॉलोनी और गांधी बस्ती का श्मशान घाट इसी मार्ग के दूसरी ओर स्थित है। यदि ओवरब्रिज निर्माण के बाद रास्ता बंद कर दिया गया और अंडरपास का प्रावधान नहीं किया गया, तो अंतिम संस्कार के समय अर्थी ले जाने में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह केवल आवागमन का मुद्दा नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा विषय है, जिस पर प्रशासन को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

उकलाना। धरने पर नारेबाजी करते नागरिक। फोटो : हरिभूमि

अंडरपास निर्माण की मांग दोहराई

ऑटो मार्केट के प्रधान कपूर सिंह ने कहा कि अंडरपास न बनने की स्थिति में स्थानीय दुकानदारों और व्यापारियों का रोजगार भी प्रभावित होगा। उन्होंने सरकार से मांग की कि जनहित को ध्यान में रखते हुए ओवरब्रिज के साथ अंडरपास का निर्माण अनिवार्य रूप से किया जाए, ताकि स्थानीय लोगों की आजीविका सुरक्षित रह सके। धरनास्थल पर विभिन्न कॉलोनियों और बाजारों से आए अनेक लोग मौजूद रहे और सभी ने एक स्वर में प्रशासन से अंडरपास निर्माण की मांग दोहराई।

सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता में हिसार मंडल स्तर पर लोटस स्कूल के बच्चे रहे अव्वल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उकलाना

पुलिस प्रशासन द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित मंडल स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता में लोटस इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय की प्रिंसिपल आरती कुनर ने बताया कि कक्षा दसवीं के छात्र समीर तथा कक्षा नौवीं के छात्र आदित्य और भाविक ने जिला हिसार का प्रतिनिधित्व करते हुए मंडल स्तर की इस प्रतियोगिता में भाग लिया। तीनों विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता हिसार मंडल के जिला फतेहाबाद स्थित पुलिस लाइन में आयोजित की गई, जिसमें मंडल के सभी जिलों से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लेकर सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। लोटस इंटरनेशनल स्कूल की टीम ने सड़क सुरक्षा नियमों, ट्रैफिक संकेतों की समझ, सुरक्षित ड्राइविंग तथा दुर्घटना रोकथाम जैसे विषयों पर गहन जानकारी और बेहतरीन टीमवर्क का परिचय दिया, जिसके परिणामस्वरूप टीम ने तृतीय स्थान हासिल किया।

प्रतियोगिता के उपरांत विजेता प्रतिभागियों को पुलिस विभाग की ओर से प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।विद्यालय के चेयरमैन महेंद्र कुनर ने विजेता विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उकलाना। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते स्कूल व पुलिस अधिकारी।

खबर संक्षेप

पीरांवाली के पास शव मिला, पहचान नहीं

हिसार। सदर क्षेत्र के गांव पीरांवाली के पास क्षत विक्षत शव बरामद हुआ है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस ने आसपास के थानों व चौकियों में सूचना देकर किसी लापता की सूचना मांगी है ताकि शव की पहचान की जा सके। पुलिस के अनुसार मृतक ने काले रंग की लोअर, चैकदार शर्ट, ग्रे क्लर की इनर व हरे रंग की चप्पल पहन रखी है।

सीएम के हस्तक्षेप के बाद अधिकारी हुए एक्टिव

हिसार। पिछले कई वर्षों से अत्याधिक टीडीएस वाला पानी पीने को मजबूर गांव आर्यनगर के लोगों को बड़ी रहा मिली है। वरिष्ठ भाजपा नेता हनुमान वर्मा ने बताया कि गांव आर्यनगर में जलघर का पानी खराब हो चुका था और टीडीएस स्तर 1150 तक पहुंच गया था। यह मामला उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सैनी के संज्ञान में लाया और उनके हस्तक्षेत्र के बाद संबंधित विभाग के अधिकारी एक्टिव हुए। अधिकारी की टीम ने जलघर की गहन सफाई, मरम्मत और 7 में से 3 बंद पड़े फिल्टर मीडिया को ठीक किया गया। नतीजा पानी का टीडीएस स्तर घटकर 395 पर आ गया, जो बी.आई.एस.मानकों के अनुसार पूरी तरह शुद्ध, सुरक्षित और पीने योग्य है।

अखंड पाठ वाणी का सामूहिक गायन किया

हिसा। स्वामी दीप्तानंद अवधूत आश्रम खरड़ अलिपुर में सतगुरु बंदी छोड़ हरिहरानंद जी महाराज के 11वें निर्वाण महोत्सव के तृतीय दिवस में 108 हवन महायज्ञ में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओ ने भाग लिया। इस अवसर पर 108 अखंड पाठों की श्रृंखला के तृतीय दिवस में ग्रंथ साहेब की अखंड पाठ वाणी का सामूहिक गायन अति मनमोहक है। इस अवसर पर स्वामी जीतवानंद महाराज ऐलनाबाद, स्वामी सतवीरानंद महाराज सिसवाल, स्वामी रामानंद गंगनखेड़ी, स्वामी संजय ब्रह्मचारी, स्वामी जितेंद्रानंद, सुखदेवानंद ब्रह्मानंद, वजीर सिंह, मास्टर बीरसिंह आदि मौजूद रहे।

बजरंग आश्रम परिसर में कंबल वितरण समारोह

हांसी। भाईचारा क्रांतिकारी सेवा समिति की ओर से रविवार को बजरंग आश्रम में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विधायक विनोद भयाना ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए करीब 1200 जरूरतमंदों को कंबल भेंट किए। इस अवसर पर विधायक विनोद भयाना ने कहा कि जनसेवा करना केवल पुण्य का कार्य ही नहीं, बल्कि हमारा नैतिक फर्ज भी है। उन्होंने भाईचारा क्रांतिकारी सेवा समिति द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की।

राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारियां तेज

हिसार। 22 फरवरी को महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित होने वाले भव्य 'विश्व नामदेव एकात्मक राष्ट्रीय सम्मेलन' के सफल आयोजन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसी सिलसिले में कोर कमेटी की बैठक की गई। नामदेव सभा हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा ने नागपुर के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता ईश्वर थीरडे के साथ सम्मेलन स्थल का निरीक्षण किया।

स्वास्थ्य विभाग का डीजी बनने पर डॉ. सिंघल का पैतृक गांव रामायण में सम्मान

श्मशान घाट की चारदीवारी, बस क्यू शेल्टर का निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा : भयाना

- विधायक ने सभी मांगों को पूरा करवाने का किया वादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

स्वास्थ्य विभाग हरियाणा में डायरेक्टर जनरल के पद पर पदोन्नत होने के उपलक्ष्य में रविवार को डॉ. कुलदीप सिंघल का उनके पैतृक गांव रामायण में नागरिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में ग्रामीणों व क्षेत्रवासियों ने डॉ. कुलदीप सिंघल का पगड़ी तथा फूल-मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया।

समारोह में विधायक विनोद भयाना ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। समारोह के दौरान गांव रामायण के नागरिकों ने विधायक के समक्ष जनहित से जुड़ी विभिन्न मांगें रखीं। विधायक विनोद भयाना ने सभी मांगों को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें शीघ्र पूरा करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि गांव में बस क्यू-शेल्टर का निर्माण कार्य जल्द शुरू करवाया जाएगा। इसके साथ ही श्मशान घाट की भूमि की चारदीवारी का निर्माण भी कराया जाएगा। विधायक ने बताया कि खेल मैदान की चारदीवारी के निर्माण के लिए खेल विभाग के अधिकारियों से तुरंत बातचीत कर प्रस्ताव तैयार कर भिजवाया जाएगा, ताकि युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं मिल सकें। इसके अलावा अन्य मांगों को भी चरणबद्ध तरीके से पूरा करवाने का आश्वासन दिया गया।

हांसी। सम्मान समारोह में विधायक विनोद भयाना के साथ मंचासीन डीजी हेल्थ डॉ. कुलदीप सिंघल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

भेजे गए प्रस्तावों की मंजूरी देने का आग्रह

विधायक विनोद भयाना ने कहा कि हांसी के नागरिक अस्पताल में ब्लड बैंक, डायलिसिस, सिटी स्कैन तथा एमआरआई की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए संबंधित प्रस्ताव सरकार को भेजे जा चुके हैं। उन्होंने डीजी हेल्थ डॉ. कुलदीप सिंघल से आग्रह किया कि इन चारों महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं से संबंधित प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृति प्रदान की जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिल सके। सात बास खाप के प्रधान बलवान सिंह ने डॉ. कुलदीप सिंघल का स्वागत करते हुए उन्हें डीजी हेल्थ बनने पर शुभकामनाएं दीं।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी स्वीटी बूरा, गांव के सरपंच अनिल उर्फ टोनी, सतपाल मलिक, मास्टर बलराज, नरेंद्र सहरावत, नगर परिषद के उप प्रधान अनिल बंसल, डॉक्टर एसएस मान, पूर्व सरपंच सूरजमल मलिक, पूर्व सरपंच जसवंत मलिक, ब्लॉक समिति प्रधान प्रतिनिधि सुभाष यादव, विनोद सैनी, नवीन ठाकुर, विधायक के निजी सचिव रवि अरोड़ा सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

हिसार। श्रद्धालुओं को संबोधित करते मुख्य सेवक रामचरण गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

नववर्ष में बुराइयां छोड़, भक्ति और सद्भाव से करें नई शुरुआत : गुप्ता

हिसार। तरसेम नगर स्थित बाबा बालक नाथ एवं दुर्गा माता मंदिर में नव वर्ष के अवसर पर भव्य सत्संग एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। नव वर्ष के पहले जेठा रविवार पर मंदिर परिसर को सेवादारों द्वारा आकर्षक ढंग से सजाया गया, जिससे मंदिर का वातावरण भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बन गया। मंदिर में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मुख्य सेवादार रामचरण गुप्ता ने सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नया साल हमें नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने आह्वान किया कि नव वर्ष में हमें आपसी मतभेद, नकारात्मक सोच और बुराइयों को छोड़कर अच्छाइयों की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। रामचरण गुप्ता ने कहा कि नया साल नई ऊर्जा और नई गतिविधियों का संदेश लेकर आता है, इसलिए हमें ऐसे कार्य करने चाहिए जिससे न केवल हमारा जीवन सुखमय बने, बल्कि हम दूसरों के जीवन में भी खुशियाँ बांट सकें। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन में सेवा, सद्भाव और करुणा को अपनाना चाहिए। मुख्य सेवादार ने कहा कि भगवान की भक्ति में लगाया गया समय कभी व्यर्थ नहीं जाता। परमात्मा के नाम का सिमरन करने से मन को शांति और जीवन को सही दिशा मिलती है। सत्संग के उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

- नए साल पर बाबा बालक नाथ मंदिर में भव्य सत्संग व भंडारे का आयोजन

युवाओं को रोजगार उन्मुख शिक्षा देने का कार्य करेगी लालमन जैन लाइब्रेरी : राकेश संधू

- गांव कोथ कला में लालमन जैन लाइब्रेरी का भव्य उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

क्षेत्र के गांव कोथ कलां में शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए रविवार को लालमन जैन लाइब्रेरी का उद्घाटन किया गया। मुख्यमंत्री के ओएसडी राकेश संधू मुख्य अतिथि रहे और उन्होंने फीता काटकर लाइब्रेरी का उद्घाटन किया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए ओएसडी राकेश संधू ने कहा कि वे स्वयं इसी गांव से हैं और शिक्षा का महत्व वे भली-भांति समझते हैं। शिक्षा ही व्यक्ति, गांव और समाज के समग्र विकास की नींव है। ऐसी सार्वजनिक लाइब्रेरी युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए एक मजबूत आधार बनेगी। एसडीएम विकास यादव भी कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने लालमन परिवार के सहयोग से स्थापित सार्वजनिक लाइब्रेरी के उद्घाटन को गांव के शैक्षणिक विकास की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया और कहा कि इस तरह की पहल से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों और युवाओं को बेहतर अध्ययन वातावरण मिलेगा। युवा कल्याण संयोजक नरेंद्र सिंह ने कहा कि यह लाइब्रेरी युवाओं में अध्ययन की संस्कृति को मजबूत करेगी और उन्हें सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। इस अवसर पर जगदीप संधू, मास्टर उदय सिंह, बाबा नाथल मल जैन मंदिर कमेटी से गिरीश जैन चेयरमैन, मांगेराम जैन प्रधान,आदि मौजूद रहे।

नारनौंद। उद्घाटन अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि।

सामाजिक संस्था लोकहित मंच ने 168 दीप प्रज्वलित कर दी श्रद्धांजलि

लाला हुकुमचंद जैन के बलिदान ने हांसी को दिया स्वाभिमान का इतिहास : रतेरिया

- क्रूर अंग्रेज शासकों ने स्वतंत्रता सेनानियों को रोड रोलर से कुचलकर उनकी आवाज दबाने का प्रयास किया : धर्मवीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

सामाजिक संस्था लोकहित मंच द्वारा अमर शहीद लाला हुकमचंद जैन, मिर्ज़ा मुनीर बेग एवं फकीर चंद जैन के 168वें बलिदान दिवस की पूर्व संध्या पर डडल स्थित शहीद स्मारक पार्क में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर लाला हुकुमचंद जैन की प्रतिमा के समक्ष 168 दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की गई और उनके महान त्याग को नमन किया गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट धर्मवीर रतेरिया ने कहा कि आज हम जिस स्वतंत्र और स्वाभिमानी वातावरण में सांस ले रहे हैं, वह इन्हीं अमर शहीदों के अद्वितीय बलिदान का परिणाम है। रतेरिया ने कहा कि हांसी की धरती स्वतंत्रता आंदोलन के गौरवशाली इतिहास की साक्षी रही है और यहां के शहीदों ने अंग्रेजी हुकूमत के जुल्मों के सामने झुकने के बजाय हंसते-हंसते मौत को गले लगाया। उन्होंने हांसी की ऐतिहासिक लाल सड़क का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार क्रूर अंग्रेज शासकों ने स्वतंत्रता सेनानियों को रोड रोलर से कुचलकर उनकी आवाज दबाने का प्रयास किया। धार्मिक परंपराओं के विपरीत व्यवहार कर शहीदों का अपमान किया गया, परंतु वे आज़ादी के दीवानों के हौसलों को तोड़ नहीं पाए और अंततः अंग्रेजों को देश छोड़ना पड़ा।

हांसी। शहीद स्मारक पार्क में श्रद्धांजलि समारोह उपस्थित लोकहित मंच के पदाधिकारी एवं अन्य।

ये पहुंचे श्रद्धांजलि देने

इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक विपिन बाबा व प्रवीण सिंगला, शहीद लाला हुकमचंद जैन के वंशज अगेश जैन, नवीन जैन, हलवंत राय जैन, संदीप जैन, अमित जैन, पुनीत जैन, अंकित जैन, आशीष जैन, पार्षद अजय सैनी, संस्था के महासचिव मनमोहन तायल, कोषाध्यक्ष सुशील गुप्ता, प्रवीण सिंगला, विपिन बाबा, इंद्रजीत खुराना, तनुज खुराना, गौरव भारतीय, दिनेश गोयल, कुलदीप सैनी, आयुष जैन, विभोर जैन, दिव्यम जैन, सम्भव जैन, संयम जैन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हांसी। विधायक विनोद भयाना को ज्ञापन सौंपते हैफेड कर्मी। फोटो : हरिभूमि

हैफेड कर्मचारियों को नहीं मिल रहा सेवा सुरक्षा कानून का लाभ

हांसी। हरियाणा सरकार द्वारा लागू हरियाणा अनुबंधित कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा अधिनियम 2024 का अभी तक हैफेड कर्मचारियों को नहीं मिल पाया है।

- पोर्टल पर हैफेड का डाटा अपलोड करवाने की मांग

अन्य विभागों में कानून लागू होने के बावजूद हैफेड को पोर्टल में शामिल न किए जाने से कर्मचारियों का डेटा अपलोड नहीं हो सका। जिसको लेकर कर्मचारियों में रोष बना हुआ है। इस मुद्दे पर एचकेआरएन द्वारा नियुक्ति पाए कर्मचारियों ने रविवार को विधायक विनोद भयाना को ज्ञापन सौंपकर हैफेड विभाग को तुरंत पोर्टल में जोड़ने की मांग करते हुए कहा कि सरकार पोर्टल में हैफेड को भी जोड़े ताकि कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा कानून का लाभ मिल सके। विधायक भयाना को सौंपे गए ज्ञापन में हैफेड कर्मियों ने बताया कि सेवा सुरक्षा अधिनियम पोर्टल का उद्घाटन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा गत 25 दिसंबर को कर दिया गया है, जिसके अनुसार एक जनवरी से इस पोर्टल पर सभी विभागों द्वारा सभी कर्मचारियों का डाटा अपलोड किया जाना है, और संबंधित विभाग के अधिकारी द्वारा 28 फरवरी तक कर्मचारियों के रिकॉर्ड को वेरीफाई करना है परन्तु मानव संसाधन विभाग द्वारा बनाये गए जॉब सिक्योरिटी पोर्टल पर हैफेड विभाग का नाम व कर्मचारियों का डाटा पोर्टल पर नहीं डाला गया है।

आज हम जहरमुक्त खाद्य सामग्री, स्वच्छ पीने के पानी और शुद्ध हवा को तरस रहे : धर्म सिंह

- हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति की हिसार शहर इकाई का पांचवां वार्षिक सम्मेलन आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति की हिसार शहर इकाई का पांचवां वार्षिक सम्मेलन स्थानीय गुर्जर धर्मशाला के प्रांगण में सम्पन्न हुआ। प्रतिनिधि सम्मेलन में चुने गए प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन की अध्यक्षता जिला अध्यक्षा अनिता शर्मा ने की जबकि मंच संचालन पूर्व प्राचार्य एवं हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के सचिव रमेश चंद्र ने किया। धर्म सिंह जनमत ने बताया कि प्रकृति के रहस्यों को जानना और जनकल्याण के लिए सुलभ बनाना ही वैज्ञानिक मानसिकता और समाज विकास की धुरी है। आज हम जहर मुक्त खाद्य सामग्री, स्वच्छ पीने के पानी और शुद्ध हवा को तरस रहे हैं। कुदरत के साथ संतुलन बनाए रखना ही विकास की नींव है। इसके लिए जनमानस को पर्यावरण को रिचार्ज करते रहना होगा। बेशक, आज हम जनसाधारण के शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता के साथ आत्म सम्मान के लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाए हैं, लेकिन यह संभव है कि हम निकट भविष्य में सभ्य समाज निर्माण की दिशा में उठाए गए छोटे-छोटे कदमों से मंजिल हासिल कर सकते हैं।

हिसार। हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति की हिसार शहर इकाई के वार्षिक सम्मेलन में उपस्थित समिति से जुड़े सदस्य। फोटो : हरिभूमि

15 सदस्यीय इकाई का गठन

मंच संचालन कर रहे रमेश चंद्र ने सम्मेलन ने भागीदारों के सुझावों को शामिल करते हुए भावी योजना प्रस्तुत की। सम्मेलन के अंत में हिसार इकाई का गठन किया गया। सर्वसम्मति से हिसार इकाई की 15 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन किया गया। इनमें से संयोजक का कार्यभार एडवोकेट प्रेम राज सातरोड़ को दिया गया। इस अवसर पर सुमन सैनी, पार्वती, सावित्री, डॉ. बलजीत भ्याण, मीनू देवी, डॉ. खजान सिंह नैन, सतबीर पंवार, बलवंत एडवोकेट, हरफूल भट्टी, मीरा, गरिमा, मनोहर जाखड़, विकास सिंह, जयभगवान राठी, वजीर सिंह मलिक, बबली लाम्बा, मा. रामनिवास जांगड़ा, चन्दगीराम आदि गणमान्य प्रतिनिधि मौजूद रहे।

भोजन चबाने का साधन ही नहीं, हमारी मुस्कान का अहम हिस्सा हैं दांत : कुंडू

हिसार। दांत हमारे शरीर का अनमोल खजाना हैं। उनकी देखभाल आज से ही शुरू करें। मुस्कान की कोई उम्र नहीं होती, बस उसे बनाए रखने के लिए थोड़ी समझदारी और नियमित देखभाल जरूरी है। यह बात डॉ. सचिन मित्तल एडवांस डेंटिस्ट्री में कार्यरत दंत चिकित्सक डॉ. सोनम कुंडू ने कही। उन्होंने कहा कि दैनिक आदतें जो आपके दांतों को सुरक्षित रखती हैं। दांत केवल भोजन चबाने का साधन नहीं हैं, बल्कि वे हमारी मुस्कान, आत्मविश्वास, स्पष्ट बोलचाल और सामाजिक पहचान का अहम हिस्सा हैं। अक्सर लोग दांतों की अहमियत को तब समझते हैं, जब कोई समस्या गंभीर रूप ले लेती है। मुंह से जुड़ी बीमारियां शरीर के अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि दिन में कम से कम दो बार ब्रश करें, विशेषकर रात को सोने से पहले। दिन में एक बार फ्लॉस का उपयोग अवश्य करें। हर छह महीने में एक बार डेंटिस्ट से जांच जरूर करवाएं, भले ही कोई दर्द न हो।

डॉ. सोनम कुंडू, दंत चिकित्सक।

महाकुंभ सातवीं वार्षिक राज्यस्तरीय क्विज़ प्रतियोगिता 'रिगालिया फैस्टा-7' के ग्रैंड फिनाले का आयोजन

ओएसजीयू में दिखा बौद्धिक क्षमता और ज्ञान का अद्भुत संगम

- 874 स्कूलों के 25 हजार विद्यार्थियों में से चुनी गई टॉप 10 टीमों के बीच हुआ कड़ा मुकाबला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय (ओएसजीयू) के प्रांगण में रविवार को बौद्धिक क्षमता और ज्ञान का अद्भुत संगम देखने को मिला। अवसर था विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सातवीं वार्षिक राज्यस्तरीय क्विज़ प्रतियोगिता 'रिगालिया फैस्टा-7' के ग्रैंड फिनाले का। इस महाकुंभ में प्रदेशभर के स्कूलों से आए विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी के चेयरमैन डॉ. पवन कुमार शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करी और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल एवं प्रो-चांसलर डॉ. पूनम गोयल ने प्रतियोगिता में विजेता टीमों को बधाई दी और अन्य टीमों को हार से प्रेरणा लेकर जीत जाने का हुनर सिखाया। सेमीफाइनल और फाइनल राउंड में उन विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने 874 स्कूलों के लगभग 25,000 प्रतिभागियों के बीच प्रारंभिक चरण में जीत हासिल की थी। मंच पर टॉप 10 टीमों के बीच हुए राउंड्स में प्रश्नों की बौछार हुई, जिसका विद्यार्थियों ने बड़ी ही कुशलता से उत्तर दिया।

विश्वविद्यालय के कार्य सराहनीय : डॉ. शर्मा : मुख्य अतिथि डॉ. पवन कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय के इस कार्य की सराहना की। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एन.पी. कौशिक, प्रति-कुलपति डॉ. राजेन्द्र सिंह छिल्लर एवं रजिस्ट्रार डॉ सत्यवीर सिंह ने अपने संबोधन में कहा, /"रिगालिया फैस्टा केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता को परखने का एक मंच है। साथ ही, विद्यार्थियों के साथ आए शिक्षकों को भी उनके उत्कृष्ट मार्गदर्शन के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

हिसार। विजेताओं को सम्मानित करते अतिथिगण व आयोजक। फोटो : हरिभूमि

आशीष व साहिल शर्मा ने पाया प्रथम स्थान

कार्यक्रम में श्री राम इंटरनेशनल स्कूल बहल से आशीष व साहिल शर्मा ने प्रथम स्थान, कैंपस स्कूल एच.ए.यू हिसार से सन्नी व जसप्रीत ने द्वितीय और मॉडर्न पब्लिक स्कूल नरवाना से प्रतीक व कोमल ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपने अभिभावकों एवं स्कूल का नाम रोशन किया। विजेताओं को उपहार स्वरूप स्मार्टफोन, साईकिल व स्मार्टवॉच देकर उन्हें सम्मानित किया। प्रतियोगिता में एडवोकेट नीरज तनेजा ने क्विज मास्टर की भूमिका निभाई।

स्थापित - 1936 सर्वेसन्तु निरामया :
डॉ. बनारसी दास शर्मा हस्पताल
3 पीढ़ीयों से आपकी सेवा में
आयुर्वेद चिकित्सा-श्रेष्ठ चिकित्सा
चर्म रोग
सोरायसिस सफेद दाग बालों का झड़ना मुंहासे
एग्जीमा, Fungal, Acne, Alcpocia, Urticaria आदि सभी प्रकार के चर्म रोगों के विशुद्ध आयुर्वेदिक उपचार के लिए सम्पर्क करें।
डॉ. साकेत शर्मा, आयुर्वेदाचार्य
मोहल्ला सैनियान, हिसार | मो. 98960-04939